**MARKING SCHEME**

**CLASS – XII**

**BUSINESS STUDIES**

**2023-24**

**SET-A**

अंक योजना का उद्देश्य को मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। दिए गए उतर बिंदु अंतिम नहीं है। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक है। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किन्तु उपयुक्त उतर दिये हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिये जाएं।

The objective of marking scheme is to make evaluation as objective as possible. The answer points given in the marking scheme are not final. These are suggestive and indicative. If the candidate has given different but suitable answer from these then he should be given suitable marks.

| Ques. No. | Suggested Answer | Marking Scheme |
|---|---|---|
| 1 | (B) मध्य स्तर, Middle Level | 1 |
| 2 | मानसिक, Mental | 1 |
| 3 | असत्य, False | 1 |
| 4 | अनिश्चतताओं, Uncertainty | 1 |
| 5 | (B) नियम, Rules | 1 |
| 6 | औपचारिक संगठन, Formal Organization | 1 |
| 7 | (A) डिविजनल ढांचा, Divisional Structure | 1 |
| 8 | (A) रोजगार साक्षात्कार, Employment Interview | 1 |
| 9 | कैम्पस भर्ती, Campus Recruitment | 1 |
| 10 | B) नौकरी समृद्ध, Job Enrichment | 1 |
| 11 | (C) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं। | 1 |
| 12 | C) अपवाद द्वारा प्रबंधन, Management by Exception | 1 |
| 13 | असत्य, False | 1 |
| 14 | जब विनियोग पर आय दर, ऋण पूंजी पर ब्याज दर से अधिक हो। When Rate of Investment is more than Rate of Interest | 1 |
| 15 | (A) अभिकथन (A) और कारण (R) सही है और कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण है। | 1 |
| | (A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is correct Explanation of Assertion (A). | 1 |
| 16 | (A) ब्रांडिंग, Branding | 1 |
| 17 | सामाजिक विपणन, Societal Marketing | 1 |
| 18 | (A) एगमार्क, Agmark | 1 |
| 19 | राष्ट्रीय कमीशन, National Commission | 1 |
| 20 | असत्य, False | 1 |

Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| 21 | आर्थिक वातावरण के परिवर्तन से होने वाले प्रभाव के उदाहरण<br>1. ब्याज की दर 2. लोगों की आय में वृद्धि<br>3. रुपये का मूल्य 4. मुद्रास्फीती दर<br>5. शेयर बाजार सूचकांक<br>(कोई 3 विस्तार से)<br>Examples of the impact of the Business Organizations due to changes in economic environment<br>1. Interest Rate<br>2. Increase in Income of People | 3x1=3 |
| | 3. Value of Rupee<br>4. Inflation Rate<br>5. Stock Exchange Index (Any 3)<br>Or<br>वैधानिक वातावरण के व्यवसाय पर प्रभाव<br>1. विज्ञापनकर्ता द्वारा नियमों का पालन करना अनिवार्य है जैसे शराब का विज्ञापन करना निषेध है।<br>2. कानून का पालन न करने से व्यावसायिक इकाई कानून के चंगुल में फंस सकती है।<br>3. यदि कोई फैक्टरी वातावरण को प्रदूषित करती है तो वह बंद हो सकती है।<br>Impact of legal environment on business<br>1. It is mandatory for the advertiser to follow the rules like advertising of liquor is prohibited.<br>2. Due to non compliance of the law, the business unit may get caught in the clutches of law.<br>3. If a factory pollutes the environment, it should be closed. | |
| 22 | विपणन वह सामाजिक प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत मूल्यवान वस्तुओं/सेवाओं को उत्पन्न किया जाता है, प्रस्ताव किया जाता है तथा दूसरे के साथ स्वतन्त्रतापूर्वक व्यवहार करके आवश्यकताओं को संतुष्ट किया जाता है।<br>विपणन की विशेषताएँ<br>1. आवश्यकताएं एवं इच्छाएं<br>2. एक बाजार प्रस्ताव तैयार करना<br>3. ग्राहक मूल्य<br>4. विनिमय पद्धति<br>(कोई दो विस्तार से)<br>Marketing refers to that social process under which valuable goods/ services are created, offered and by doing transaction independently the needs are satisfied:<br>1. Needs and wants<br>2. Creating a Market Offering<br>3. Customer Value<br>4. Exchange Mechanism (Any 2 with Explanation)<br>Or<br>औद्योगिक उत्पाद का अभिप्राय ऐसे उत्पादों से है जो उपभोक्ता उत्पादों को निर्मित करने के लिए कच्चे माल के रुप में प्रयोग किये जाते हैं।<br>विशेषताओं–<br>1. क्रेताओं की संख्या 2. माध्यम स्तर<br>3. भौगोलिक केन्द्रीयकरण 4. आश्रित मांग (कोई दो विस्तार के साथ) | 1+2=3 |

Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| | Industrial products are those products which are used as inputs for manufacturing consumer products<br>Features:<br>1. Number of Buyers<br>2. Channel levels<br>3. Geographic Concentration<br>4. Derived Demand (Any 2 with Explanation) | |
| 23 | पूंजी बाजार की स्थिति पूंजी ढांचे निर्णय को प्रभावित करने के लिए महत्वपूर्ण है।<br>यदि पूंजी बाजार में तेजी हो तो कंपनी समता अंशों को प्राथमिकता दे सकती है जबकि मंदीकाल में ऋण का चयन बेहतर रहता है। तेजी काल में अंशों का मूल्य लगातार बढ़ता है। इसलिए समता अंश अधिक मूल्य पर भी जारी किए जा सकते है। जबकि मंदीकाल में अंशों का मूल्य लगातार गिरता है। इस स्थिति में ऋण आसानी से प्राप्त किए जा सकते है।<br>Effect of Stock Market Conditions on Capital Structure:<br>If stock market is bulish then company can issue equity shares but when market is bearish then company can select debt. Bullish phase is a situation when price of stocks are increasing. In such a situation, company can issue equity shares even at premium. Bearish phase is a situation when prices of shares decreases continuously then company raise finance through debt. | 3 |
| 24 | वितीय निर्णय को प्रभवित करने वाले कारक–<br>1. लागत 2. जोखिम 3. निर्गमन लागतें<br>4. रोकड़ प्रवाह स्थिति 5. स्थायी प्रचालन लागतें<br>6. नियंत्रण प्रतिफल (कोई 3 विस्तार से)<br>Factors affecting Financing Decision<br>1. Cost 2. Risk 3. Flotation Cost<br>4. Cash Flow Position 5. Fixed Operating Cost<br>6. Control Consideration (Any 3 with Explanation) | 1x3=3 |
| 25 | क) उत्तरदायित्व व अधिकार– इस सिद्धांत के अनुसार, अधिकार और उत्तरदायित्व साथ–साथ चलते हैं। अधिकार और उत्तरदायित्व के साथ–साथ चलने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई कार्य सौंपा जाता है और उस कार्य के परिणाम के प्रति हम उसको उत्तरदायी भी ठहराना चाहते हैं तो ऐसा तभी संभव है यदि उत्तरदायित्व को निभाने के लिए पर्याप्त अधिकार भी उसको सौंपे गये हो। इससे लक्ष्य प्राप्ति में सहायता मिलती है और कर्मचारियों के साहस में वृद्धि होती है।<br>(A) Responsibilities and Rights – According to this principle responsibilities and rights go together. It means that when a person is assigned a task and if we want to hold him accountable and responsible for the outcome of that work, then this is possible only if he has sufficient authority to hold him accountable. This helps in achieving the goals and increases the courage of the employees.<br>ख– अनुशासन– इस सिद्धांत के अनुसार, संगठनात्मक नियम और रोजगार समझौते का उच्चधिकारियों तथा अधीनस्थों दोनों को पालन करना चाहिए जो संगठन की कार्यवाही को सफलतापूर्वक करने के लिए आवश्यक है। इससे कर्मचारियों की कुशलता में वृद्धि होती है और बेहतर श्रम–प्रबंध संबंध होते हैं।<br>According to this principle, organizational rules and agreements should be followed by superiors and subordinates for successful functioning of the organization. This leads to increase in efficiency of the employees and better workers- management relationship,<br>Or | 2+2=4 |

Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| | क– सहयोग, न कि व्यक्तिवाद–इस सिद्धांत के अनुसार, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग किया जाना चाहिए। श्रमिकों और प्रबंध के मध्य कार्य एवं उतरदायित्व का लगभग समान विभाजन होना चाहिए। प्रबंधक को चाहिए कि वह पूरे समय श्रमिकों के कंधे से कंधा मिलाकर काम करे, उनकी मदद करे, उन्हें प्रोत्साहित करें।<br>Cooperation, Not individualism – According to the Principle, Cooperation should be in place of competition. There should be almost equal division of work and responsibility between workers and management. The manager should work with workers and help & support them.<br>ख– मैत्री, न कि मतभेद– इस सिद्धांत के अनुसार प्रबंध व श्रमिकों के मध्य पूर्णतः मैत्रीपूर्ण संबंध होना चाहिए। इस स्थिति को पाने के लिए प्रबंध व श्रमिकों दोनों में मानसिक क्रांति का आना जरुरी है। इसका अर्थ दोनों की सोच में बदलाव आने से है।<br>Harmony, Not Discord- According to this principle, there should be completely friendly relations between the management and workers and not differences. To achieve this situation, there will be a mental revolution in both management and workers. | |
| 26 | (see tables below) | 1x4=4 |

| अंतर का आधार | अधिकार अंतरण | विकेन्द्रीयकरण |
|---|---|---|
| 1. कार्यवाही की स्वतंत्रता | इसमें अधीनस्थ को कार्यवाही की कम स्वतंत्रता है। | इसमें अधीनस्थ को कार्यवाही की अधिक स्वतन्त्रता होती है। |
| 2. उद्देश्य | इसका उद्देश्य एक प्रबंधक के कार्यभार को कम करना है। | इसका उद्देश्य अधीनस्थों की संगठन में उनकी भूमिका को बढ़ाना है। |
| 3. प्रकृति | अधिकार अंतरण सभी संस्थाओं में जरुरी है। | यह एक ऐच्छिक नीति है और इसके अभाव में काम चल सकता है। |
| 4. क्षेत्र | इसका क्षेत्र सीमित होता है। | इसका क्षेत्र व्यापक होता है। |

| Basis of Differences | Delegation of Authority | Decentralization |
|---|---|---|
| 1. Freedom in Action | In Delegation Subordinate has less freedom of Action | In this subordinate has more freedom of Action |
| 2. Purpose | Its purpose is to reduce the burden of manager | Its purpose is to give more autonomy |
| 3. Nature | It is necessary for all organization | It is optional |
| 4. Scope | It has limited scope | It has wider Scope |

OR

अधिकार अंतरण– इस अभिप्रायार उत्तरदायित्व व अधिकार सौंपने तथा जिस व्रूक्ति को उत्तरदायित्व सौंपा गया है उसकी उत्तरदेयता उत्पन्न करने की प्रक्रिया से है।

अधिकार अंतरण के तत्वः–

1. अधिकार
2. उत्तरदायित्व
3. उत्तरदेयता

सभी विस्तार से

Delegation of Authority- It refers to the process of entrusting responsibility and authority and creating accountability and authority and creating accountability of the person to whom work or responsibility has been handed over.

Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| | Elements of Delegation of Authority<br>1. Authority<br>2. Responsibility<br>3. Accountability<br>(With Explanation) | 1+3=4 |
| 27 | कर्मचारी चयन प्रक्रिया के चरण–<br>1. प्रारंभिक जांच<br>2. चयन परीक्षाएँ<br>3. रोजगार साक्षात्कार<br>4. संदर्भ और पृष्ठभूमि जांच<br>5. चयन निर्णय<br>6. शारीरिक परीक्षण<br>7. पद पस्ताव<br>8. रोजगार का अनुबंध कोई 4 विस्तार से<br>Process of Selection<br>1. Preliminary Screening<br>2. Selection Tests<br>3. Employment Interview<br>4. Reference and Background Checks<br>5. Selection Decision<br>6. Medical Examination<br>7. Job Offer<br>8. Contract of Employment (Any 4 with Explanation | 1x4=4 |
| 28 | नियंत्रण, संगठन की सभी क्रियाओं व प्रयासों जो एक दूसरे से भली प्रकार समन्वित होती है के लिए पूर्व निर्धारित प्रमाप प्रदान करके कार्यवाही में समन्वय स्थापित करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए– जब नियंत्रण को लागू किया जाता है तो इस बात का ध्यान रखा जाता है कि उत्पादन विभाग व बिक्री विभाग के प्रमापों में असमानता न हो जाए।<br>नियंत्रण यह सुनिश्चित करता है कि नियोजन के समय पूर्व निर्धारित लक्ष्यों की और संगठन की प्रत्येक क्रिया निर्देशित हो रही है। इस प्रकार नियंत्रण, बेहतर नियोजन में सहायक होता है।<br>Controlling helps in achieving better coordination by providing predetermined parameters for all the activities and efforts of the organization which are well coordinated with each other. For example, when control is implemented care is taken to ensure that there is no disparity in the parameters of the production department & sales department. Controlling helps in better planning as it ensures that organization is directed towards achievement of predetermined objectives. | 4 |
| 29 | वितीय नियोजन का महत्व<br>1. संभावित परिस्थितियों का सामना करने में सहायक<br>2. व्यावसायिक सदमों और आश्चर्यों को टालने में सहायक<br>3. विभिन्न व्यावसायिक कार्यों में समन्वय में सहायक<br>4. वित्त की बर्बादी पर रोक में सहायक<br>5. वर्तमान को भविष्य से जोडने में सहायक<br>6. विनियोग एवं वित्त व्यवस्था निर्णयों में संबंध स्थापित करने में सहायक<br>7. निष्पादन में मूल्यांकन को आसान बनाने में सहायक (कोई 4 विस्तार से) | 1x4=4 |

Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| | Importance of Financial Planning<br>1. Helps to face the eventualities<br>2. Help in avoiding business shocks and surprises<br>3. Helps in coordinating various business functions<br>4. Helps in avoiding wastage of funds<br>5. Helps to link the present with future<br>6. Helps in creating link between investments and financing decision<br>7. Helps in making evaluation of performance easier (Any 4 with Explanation) | |
| 30 | उपभोक्ता संरक्षण– इसका अभिप्राय उपभोक्ताओं को, उत्पादकों तथा विक्रेताओं के अनुचित व्यवहार से सुरक्षा प्रदान करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों से है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की विशेषताएँ:–<br>1. मदों का फैलाव<br>2. क्षेत्र का फैलाव<br>3. प्रभावी संरक्षण<br>4. समयबद्ध निवारण<br>5. प्रावधानों की क्षतिपूरक प्रकृति (कोई 3 विस्तार से)<br>Consumer Proection- It refers to the steps taken to protect the consumers aginast the unfair practices of the producers and sellers.<br>Features of Consumer Protection Act-<br>1. Coverage of Items<br>2. Coverage of Sectors<br>3. Compensatary Nature of provisions<br>4. Group of Consumer's rights<br>5. Effective Safeguards (Any 3 with Explanation) | 1+3=4 |
| 31 | प्रबंध एक कला है समझाइए।<br>प्रबंध कला के रुप में– थिमोहैमन के अनुसार कला का अर्थ यह जानना है कि किसी कार्य को किसी विधि से पूरा किया जा सकता है और वास्तव में उस कार्य को उसी विधि से पूरा करना है। अन्य शब्दों में ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग कला कहलाता है।<br>उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि कला निम्नलिखित मुख्य पाँच विशेषताएँ होती हैः–<br>1. व्यवहारिक ज्ञान– कला का संबंध ज्ञान को व्यवहार में लाने से है। इस आधार पर प्रबंध भी एक व्यावहारिक ज्ञान है। प्रत्येक व्यवसाय में प्रबंधक का महत्व इस बात से जाना जाता है कि वह व्यवसाय को कितनी कुशलता से चलाता है न कि इस बात से कि उसे प्रबंध में विषय में कितना ज्ञान है।<br>2. व्यक्तिगत निपुणता– व्यक्तिगत निपुणता के संदर्भ में भी प्रबंध एक कला है क्योंकि प्रत्येक प्रबंधक की कार्य करने की अपनी एक विशिष्ट शैली होती है जो दूसरे प्रबंधकों से बिल्कुल अलग होती है।<br>3. सार्थक परिणाम– कला का प्रमुख आधार सार्थक परिणामों की प्राप्ति होता है। कला की भांति प्रबंध का आधार भी सार्थक परिणामों को प्राप्त करना है। प्रबंध के सार्थक परिणाम हैं– कम से कम विनियोग व श्रम से पूर्व निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति। एक प्रबंधक की सफलता या असफलता का सबसे बड़ा मापदंड यही है कि वह पूर्व निर्धारित इच्छित उद्देश्यों को कितनी कुशलता, मितव्ययिता तथ सफलता से प्राप्त कर पाता है।<br>4. रचनात्मक शक्ति– कला की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें रचनात्मक कार्य करने की शक्ति निहित होती है। कला की भांति प्रबंध भी सृजनात्मक होता है क्योंकि इसका उद्देश्य संस्था में एक ऐसा वातावरण तैयार करना होता है जिसमें संस्था में काम कर रहे सभी व्यक्ति अपने–अपने कर्तव्यों को ईमानदारी तथा लगन के साथ पूरा कर सके। | 6 |

Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| | 5. अभ्यास द्वारा विकास– 'करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान' यह पंक्ति प्रबंधकों पर पूर्ण रुप से लागू होती है। प्रबंधकों की कुशलता निरन्तर अभ्यास द्वारा निखरती है क्योंकि उन्हें परिवर्तनशील वातावरण में काम करना होता है। उन्हें प्रबंधकीय सिद्धांतों को परिवर्तनशील परिस्थितियों के अनुकूल ढालना पड़ता है। इसके अतिरिक्त प्रबंधकों को पग पग पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने होते हैं जो उनके व्यक्तिगत अनुभव, ज्ञान, दक्षता, अभ्यास, चातुर्य एवं दूरदर्शिता पर निर्भर करते हैं।<br>निष्कर्ष– प्रबंध को कला भी माना जाता है।<br>अथवा<br>प्रबंध के संगठनात्मक उद्देश्य<br>1. जीवित रहना<br>2. लाभ<br>3. बढ़ोतरी / विकास<br>प्रबंध के सामाजिक उद्देश्य<br>1. रोजगार के अवसर प्रदान करना<br>2. जीवन स्तर में सुधार<br>3. वातावरण को दूषित होने से बचाना विस्तार से<br>Organizational objectives of Management<br>1. Survival<br>2. Earning Profit<br>3. Growth<br>Social Objectives of Management:<br>1. To provide Employment Opportunities<br>2. To Improve Standard of Living<br>3. To Protect Environment from Pollution (With Explanation) | 1x6=6 |
| 32 | नियोजन– नियोजन प्रबंध का प्राथमिक एवं मुख्य कार्य है। भविष्य में क्या करना है इसका वर्तमान में निर्धारण करना नियोजन कहलाता है। कोई भी कार्य शुरु करने से पहले प्रबंधकों को यह निश्चित करना पड़ता है कि वास्तव में क्या करना है, किस तरीके से करना है किसे करना है तथा कब करना है।<br>1. नियोजन प्रबंध के लिए आवश्यक है।<br>2. अनिश्चिततों में कमी<br>3. साधनों का सर्वोतम उपयोग<br>4. गलत निर्णयों पर रोक<br>5. व्यापार के विकास में सहायक<br>6. प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सहायक | 2+4=6 |

Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| | Planning is the primary and main function of management. Determining what to do in the future is called planning. Before starting any work, managers have to decide what exactly has to be done how it is to be done, when it is to be done and by whom.<br>Importance of Planning:<br>1. Planning is essential for management<br>2. Reduction is Uncertainties<br>3. Optimum Utilization of Resources<br>4. Check on Wrong Decisions<br>5. Helpful in Growth of Trade<br>6. Helpful in facing Competitions<br>(Any 4 with Explanation)<br>Or<br>नियोजन–<br>1. गलत अनुमान<br>2. अत्यधिक खर्चीला<br>3. पहल करने की इच्छा का अंत<br>4. लोचशीलता का अभाव<br>5. विश्वसनीय तथ्यों को प्राप्त करने में कठिनाई<br>Planning<br>Limitations of Planning<br>1. Wrong Forecasting<br>2. Very Expensive<br>3. End of Initative<br>4. Lack of Flexibility<br>5. Difficulty in Obtaining Reliable Facts<br>(Any 4 with Explanation) | |
| 33 | निर्देशन– इसका अभिप्राय उस प्रक्रिया से है जो कि संगठन में उसके उद्देश्य प्राप्त करने के लिए मानव संसाधनों को निर्देश देने, उनका मार्गदर्शन करने संदेशवाहन करने व उसे अभिप्रेरित करने का काम करती है।<br>निर्देशन की विशेषताएँ<br>1. निर्देशन गतिशीलता प्रदान करता है।<br>2. निर्देशन प्रबंध के प्रत्येक स्तर पर होता है।<br>3. निर्देशन एक सतत प्रक्रिया है।<br>4. निर्देशन का प्रवाह उपर से नीचे की ओर होता है।<br>(विस्तार से)<br>Directing – It refers to the process of instructing, guiding, communicating and inspiring people in the organization to achieve its objectives.<br>Features of Directing:-<br>1. Directing initiates Action<br>2. Directing takes place at every level of management.<br>3. Directing is a continuous process.<br>4. Directing flows from Top to Bottom.<br>(With Explanation) | 2+4=6 |

Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| 34 | पैकेजिंग– इसका अभिप्राय उन क्रियाओं के समूह से है जो उत्पादन को रखने वाले पात्र का डिजाइन बनाने व उनके उत्पादन से सम्बन्धित है। पैकेजिंग मे उत्पाद रखने वाले पात्र का डिजाइन इस ढंग से बनाया जाता है कि उत्पाद का प्रयोग करने में किसी प्रकार की कठिनाई ना हो।<br>पैकेजिंग के कार्य<br>1. सुविधा प्रदान करना<br>2. सुरक्षा प्रदान करना<br>3. उत्पादन पहचान<br>4. संवर्धन<br>5. सूचनाएं देना<br>(कोई 4 विस्तार से)<br>Packaging – It is a group of those activities which are related with the designing and production of containers in which the products are packed. It packaging the product container is designed in such a way that the usage of the product becomes convenient.<br>Functions of Packaging.<br>1. Providing Convenience<br>2. Providing Protection<br>3. Product Identification<br>4. Promotion<br>5. Providing Information<br>(Any 4 with Explanation) | 2+4=6 |

Downloaded from cclchapter.com